

ये अव्यक्त इशारे

पुराने संस्कार परिवर्तन कर संस्कार मिलन की रास करो

28-10-2024

बाप को प्रत्यक्ष करने के लिए विशेष दो बातें ध्यान में रखनी हैं -एक सदा संस्कारों को मिलाने की यूनिटी, इसके लिए हरेक अपने को चेन्ज करे, समाने की शक्ति धारण करे तो दूसरे का संस्कार भी अवश्य शीतल हो जायेगा। दूसरा -सन्तुष्ट रहना है और सबको सन्तुष्ट करना है। जब यह दोनों बातें सदा ध्यान पर रहें तब बाप जो है जैसा है, वैसा दिखाई दे और प्रत्यक्षता हो।

Transform the old sanskars and perform the dance of harmonising sanskars.

In order to reveal the Father, especially keep two things in mind. Firstly, unity in constantly harmonising sanskars. For this, each one has to change the self, inculcate the power to accommodate and the sanskars of others will definitely cool down. Secondly, you have to remain content and make everyone content. When you have both these things in mind, then the Father will be visible as He is and what He is and revelation will take place.